>

Title: Need to close unutilized railway stations and to set up new stations on Himmatnagar-Udaipur stretch in Gujarat.

श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण (साबरकांठा): मेरा संसदीय क्षेत्र साबरकांठा (गुजरात) जो आदिवासी, दलित एवं पिछड़े लोगों का क्षेत्र है। इस क्षेत्र में आजादी के इतने लंबे अरसे बाद भी रेल का सम्यक विकास न हो पाने के कारण पूरा क्षेत्र उद्योगों से वंचित है। क्षेत्र में औद्योगिक विकास नहीं होने की वजह से पूरा पिछड़ा हुआ है। रेल विकास की धरोहर है। हमारे क्षेत्र से उदयपुर-हिम्मतनगर-अहमदाबाद रेल लाइन गुजरती है जिसका अभी आमान परिवर्तन का काम शुरू होने वाला है। हिम्मतनगर से उदयपुर रेल लाइन के बीच जो रेलवे स्टेशन पुराने समय में बनाए गए हैं, वो खास लाभप्रद नहीं है। इन स्टेशनों पर न यात्री बैठते हैं और न ही रेल का राजस्व बढ़ता है। इस लाइन की रेलवे घाटे में चल रही है। ऐसे में मेरी मांग है कि अब जब हिम्मतनगर-उदयपुर रेल लाइन के आमान परिवर्तन का काम चालू हो गया है तो पूरी लाइन का रिसर्वे कराया जाए और निम्नलिखित रेलवे स्टेशनों का बदलाव किया जाए :-

विरावाड़ा रेलवे स्टेशन को गांभोई में स्थापित किया जाए।

लालपुर रेलवे स्टेशन को टींटोई में स्थापित किया जाए।

लुसडीया रेलवे स्टेशन को बाद्यपुर (शामलाजी)के आस-पास स्थापित किया जाए।

जगबार रेलवे स्टेशन को दंड़गामड़ा गांव के आस पास स्थापित किया जाए।